DAY —— **13** SEAT NUMBER

2024	VIII	01	1100	J-225	(H)

ECONOMICS (49)

Time : 3 Hrs. **(7 Pages)** **Max. Marks : 80**

सूचनाएँ : *(१) सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।*
(२) आवश्यकतानुसार स्वच्छ तालिका / रेखाचित्र बनाइए।
(३) दाहिनी ओर के अंक प्रश्नों के पूर्ण गुण प्रदर्शित करते हैं।
(४) प्रत्येक मुख्य प्रश्न का उत्तर नए पन्ने से प्रारंभ कीजिए।

प्र. १. **(अ)** उचित पर्याय चुनिए : (५) **[२०]**

(i) व्यष्टि अर्थशास्त्रीय विश्लेषण में प्रयोग की जानेवाली पद्धति (विधि).

(अ) राशि पद्धति

(ब) समग्र पद्धति

(क) विभाजन पद्धति

(ड) सर्वसमावेशी पद्धति

विकल्प– (१) अ, ब, क एवं ड (२) ब, क एवं ड

(३) केवल क (४) केवल अ

(ii) राष्ट्रीय आय यह एक ------ अवधारणा है।

(अ) स्कंध

(ब) अंतिम

(क) मध्य

(ड) प्रवाही

विकल्प– (१) अ एवं ब (२) केवल ड

(३) ब एवं क (४) अ, ब, एवं क

(iii) भारत के पेट्रोलियम के आयात के स्त्रोत/साधन :

(अ) कुवैत

(ब) सउदी अरब

(क) चीन

(ड) सिंगापुर

विकल्प– (१) अ एवं ब (२) क एवं ड

(३) अ, ब एवं क (४) ब, क एवं ड

(iv) सरकार के अनिवार्य/आनुषंगिक कार्यों में निम्नांकित कार्य का समावेश होता है।

(अ) रोजगार निर्माण

(ब) अंतर्गत कानून और सुव्यवस्था

(क) कल्याणकारी उपाय योजना

(ड) वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात

विकल्प– (१) अ एवं ब (२) क एवं ड

(३) अ, ब एवं क (४) केवल ब

(v) वित्तीय व्यवस्था में वाणिज्यिक बैंक मध्यस्थ या दलाल की भूमिका निभाते हैं, क्योंकि ....

(अ) लाभ प्राप्त करना

(ब) देश की आर्थिक वृद्धि की गति बढ़ाना

(क) बचत गतिमान करना और उत्पादक निवेश के लिए वितरित करना

(ड) साख नियंत्रण करना

विकल्प– (१) केवल अ (२) अ एवं ब

(३) ब एवं क (४) अ, ब, क एवं ड

(ब) सहसंबंध पूर्ण कीजिए : (५)

(i) मुद्रा बाजार : अल्पकालीन निधि : : ☐ : दीर्घकालीन निधि

(ii) टेबल–कुर्सी : रूप उपयोगिता : : संगणक की जानकारी : ☐

(iii) ☐ : कपड़ा : : अप्रत्यक्ष माँग : मजदूर

(iv) सैद्धांतिक कठिनाईयाँ : हस्तांतरित भुगतान :: ☐ : स्कंध सामग्री का मूल्यांकन

(v) सरकारी व्यय > सरकारी प्राप्तियाँ : घाटे का बजट :: सरकारी व्यय = सरकारी प्राप्तियाँ : ☐

(क) असंगत शब्द पहचानिए : (५)

(i) जीवनावश्यक वस्तुएँ — अनाज, दवाईयाँ, कार, पुस्तकें

(ii) निर्देशांकों के प्रकार — भारांकित निर्देशांक, कीमत निर्देशांक, सांख्यिकी निर्देशांक, मूल्य निर्देशांक।

(iii) मूलभूत सुविधाएँ — यातायात, संचार, जलापूर्ति, अनुदान।

(iv) बैंक खातों के प्रकार — बचत खाता, डी-मेट खाता, आवर्ती खाता, चालू खाता।

(v) उत्पादन साधन की कीमतों का तत्त्व — लाभ, ब्याज, बेरोजगारी किराया, लगान।

(ड) निम्नलिखित विधान पूर्ण कीजिए : (५)

(i) जब सीमांत उपयोगिता ऋण होती है, तब कुल उपयोगिता ......

(अ) बढ़ती है

(ब) स्थिर रहती है

(क) घटती है

(ड) शून्य होती है

(ii) माँग और कीमत का फलन संबंध निम्नांकित सूत्र द्वारा दर्शाया जा सकता है ......

(अ) $Dx = f(Px)$

(ब) $Dx = f(Pz)$

(क) $Dx = f(Y)$

(ड) $Dx = f(Tx)$

(iii) भारत के विदेशी व्यापार की निर्यातकालीन इकाईयाँ (घटक) ......

(अ) पेट्रोलियम

(ब) अभियांत्रिकी वस्तुएँ

(क) सोना

(ड) खाद

(iv) 'य' अक्ष / रेखा के समानांतर कीमत लोच का माँग वक्र ......

(अ) पूर्णतया लोचदार माँग

(ब) पूर्णतया बेलोचदार माँग

(क) अधिक लोचदार माँग

(ड) कम लोचदार माँग

(v) एक अधिक इकाई की बिक्री के बाद कुल प्राप्तियों में हुई सकल वृद्धि ......

(अ) कुल प्राप्तियाँ

(ब) औसत प्राप्तियाँ

(क) सीमांत व्यय

(ड) सीमांत प्राप्तियाँ

प्र. २. **(अ)** निम्नलिखित उदाहरणों की सहायता से अवधारणा पहचानकर उसे स्पष्ट कीजिए (कोई तीन) : **[१२]** (६)

(i) सेब की कीमत १०% से कम होने पर विनय ने सेब की माँग में १०% से वृद्धि की।

(ii) रमाकांत ने आर्थिक वर्ष २०२१-२२ में ₹ ८०,००० आयकर भर दिया।

(iii) माधुरी ने ₹ १,००,००० की एकमुश्त राशि ५ वर्षों के लिए बैंक में रखी।

(iv) सुनीता को राज्य सरकार से प्रतिमाह ₹ ३०,००० पेंशन प्राप्त होती है।

(v) भारत ने ईरान से पेट्रोलियम पदार्थों की खरीद की।

(ब) अंतर स्पष्ट कीजिए (कोई तीन) : (६)

(i) इच्छा तथा माँग

(ii) अंतर्गत व्यापार तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

(iii) कीमत निर्देशांक (सूचकांक) तथा संख्यात्मक / परिमाण निर्देशांक (सूचकांक)

(iv) मुद्रा बाज़ार तथा पूँजी बाज़ार

(v) अल्पाधिकार तथा एकाधिकार

प्र. ३. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए (कोई तीन) :** **[१२]**

(i) समष्टि अर्थशास्त्र की कोई चार विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

(ii) माँग के प्रकार स्पष्ट कीजिए।

(iii) पूर्ति के कोई चार निर्धारक घटक /तत्त्व स्पष्ट कीजिए।

(iv) सार्वजनिक व्ययों का वर्गीकरण स्पष्ट कीजिए।

(v) निर्देशांक की कोई चार सीमाएँ स्पष्ट कीजिए।

प्र. ४. निम्नलिखित विधानों से आप सहमत हैं या असहमत हैं, कारण सहित स्पष्ट कीजिए (कोई तीन) : **[१२]**

(i) असंख्य क्रेता और असंख्य विक्रेता पूर्ण प्रतियोगिता की एकमात्र विशेषता है।

(ii) भारत में मुद्रा बाज़ार की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

(iii) आर्थिक कल्याण के सिद्धांत का अध्ययन व्यष्टि अर्थशास्त्र में किया जाता है।

(iv) पूर्ति वक्र बायीं से दायीं ओर ऊपर जाता है।

(v) निर्देशांक आधार वर्ष के बिना भी तैयार कर सकते हैं।

प्र. ५. निम्नलिखित तालिका, रेखाचित्र (आकृति), परिच्छेद का अध्ययन करके पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए (कोई दो) : **[८]**

(i) (४)

पावती नं.-०५ — दिनाँक : १४.८.२०१८
(रसीद) — समय : १०.३० a.m.
टेबल क्रं.-०१
कर्मचारी-अमित

अनु.क्र.	विवरण	संख्या	दर (मात्रा ₹)	राशि
(१)	रजिस्टर	०२	४२.००	८४.००
(२)	पेन	१०	०८.००	८०.००
(३)	पेंसिल	१०	०४.४०	४४.००
(४)	रबर	१०	०४.४०	४४.००
(५)	स्केल	०३	०८.००	२४.००
			कुल =	२७६.००
			SGST ६% =	१६.५६
			CGST ६% =	१६.५६
			कुल =	३०९.१२

GST. No.27AAXPN3502E128
ग्राहक के हस्ताक्षर — अधिकृत विक्रेता

प्रश्न:

(१) वस्तुओं और सेवाओं के कर (tax) का संक्षेप में नाम लिखिए। (१)

(२) उपर्युक्त बिल में SGST और CGST कितने प्रतिशत (%) लगाया गया है? (१)

(३) उपर्युक्त बिल में पेन की मूल दर क्या है? (१)

(४) विक्रेताओं का जी.एस.टी. (GST) नं. क्या है? (१)

(ii) निम्नांकित रेखाचित्र का निरीक्षण कीजिए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (४)

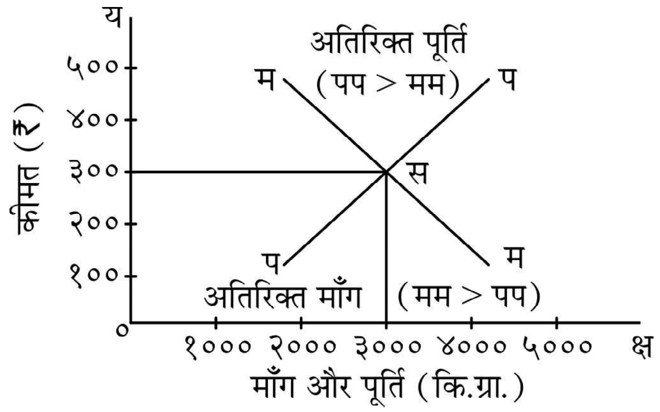

(१) उपर्युक्त रेखाचित्र में 'क्ष' अक्ष पर क्या दर्शाया गया है? (१)

(२) कौनसी कीमत में माँग और पूर्ति का संतुलन होता है? (१)

(३) उपर्युक्त रेखाचित्र में 'य' अक्ष पर क्या दर्शाया गया है? (१)

(४) उपर्युक्त रेखाचित्र में माँग और पूर्ति का संतुलन कौन-से बिंदु से दर्शाया गया है? (१)

(iii) माँग के अनुसार अर्थव्यवस्था (ऑन डिमांड इकॉनॉमी): (४)

माँग के अनुसार अर्थव्यवस्था अर्थात् डिजिटल मार्केट और तकनीकी कंपनियों द्वारा वस्तुओं और सेवाओं का तत्काल वितरण करके ग्राहकों की माँग उनकी इच्छा के अनुसार पूरा करने के लिए तैयार की गई आर्थिक क्रिया है। माँग के अनुसार अर्थव्यवस्था को कभी-कभी 'एक्सेस इकोनॉमी' कहा जाता है क्योंकि यहाँ की कंपनियाँ बाज़ार में रहने वाले उनकी शृंखला दुकानों, एवं थोक तथा छोटे-बड़े व्यापारी, ग्राहकों के लिए उनकी सुविधा के अनुसार वस्तु और सेवा पूर्ति के मार्ग निर्माण करते हैं।

ग्राहकों की सुविधा के अनुसार और इन वस्तुओं और सेवाओं का अच्छी तरह से अनुभव मिलना चाहिए इसलिए सुविधाएँ, गति और सादगी जैसी विशेषताओं को यह कंपनियाँ प्राथमिकता देती हैं। वैसे ही ग्राहकों की माँग के अनुसार और रूचि / अरूचि के अनुसार यह कंपनियाँ वस्तुओं और सेवाओं की पूर्ति करती हैं। वह वस्तुएँ वापिस लेना और वस्तुएँ और सेवाएँ जल्द से जल्द उपलब्ध कर देना ऐसी विभिन्न सुविधाओं के कार्य करते हैं। इसलिए आज माँग के अनुसार अर्थव्यवस्था अतुलनीय गति से बढ़ रही है।

आजकल बहुत सी लोकप्रिय वस्तुओं एवं सेवाओं का नियमित रूप से असंख्य ग्राहकों द्वारा उपयोग माँग पर आधारित अर्थव्यवस्था के उदाहरण हैं।

राईड-शेयरिंग प्लेटफॉर्म उबेर एवं ओला, किराना वितरण सेवा जैसे-बिग-बास्केट, डंजों एवं रिलायंस जिओ मार्ट माँग पर आधारित अर्थव्यवस्था सेवाओं के कुछ उदाहरण हैं।

प्रश्न :

(१) माँग के अनुसार अर्थव्यवस्था को क्या कहते हैं? (१)

(२) माँग के अनुसार अर्थव्यवस्था के कोई दो उदाहरण लिखिए। (१)

(३) उपर्युक्त परिच्छेद के लिए स्वमत (आपके विचार) लिखिए। (२)

प्र. ६. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए (कोई दो) : **[१६]**

(i) राष्ट्रीय आय गणना की कोई दो विधियाँ स्पष्ट कीजिए।

(ii) ह्रास सीमांत उपयोगिता का नियम स्पष्ट करके उसकी मान्यताएँ लिखिए।

(iii) माँग की कीमत लोच की अवधारणा स्पष्ट करके कीमत लोच के प्रकार स्पष्ट कीजिए।

◆◆◆